IInd

Q.M. दरी/कालीन (CARPET) के प्रकार (TYPES)

गृहसज्जा में दरी या कालीन कक्ष/स्थान विशेष की सम्पूर्ण सजावट के रूप में संयोजन कर सौन्दर्य में वृद्धि करते हैं।

दरियाँ एवं कालीन weaving, knitting व felting विधि द्वारा तैयार किए जाते हैं। बुने हुए (weaving) कालीन महँगे व [illegible] बूटेदार कालीन [illegible] होते हैं। बुने हुए कालीन निर्माण में समय, श्रम व व्यय अधिक लगता है अतः दरी/कालीन का चयन करते समय उपयोगिता, संरचना, मजबूती, कार्यक्षमता, आकार, रंग, नमूने, आकर्षण एवं सौन्दर्य पक्ष पर विशेष ध्यान देकर विवेकपूर्ण निर्णय लिया जाना चाहिए ताकि व्यय का अधिकाधिक लाभ प्राप्त हो सके।

निर्माण विधि के आधार पर दरी/कालीन के प्रकार (TYPES)

1. समतलाकार दरी (FLAT CARPET)
बुनाई द्वारा तैयार ये दरी समतल सतह वाली होती हैं। दोनों तरफ से समान दिखने के कारण सभी ओर समान दबाव व कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

2. उभरी दरी (KNOTTED/SCULPTURED CARPET)
इस प्रकार की दरियों में सतह पर आवश्यक व इच्छानुसार ऊँचाई में विभिन्न आकृतियों के नमूने फंदों द्वारा उभारे जाते हैं।

3. कटे फंदे वाली दरी (CUT PILE CARPET)
इन दरियों में सतह पर बिना बटे हुए (UNTWISTED) धागों द्वारा फंदे बनाकर उन्हें ऊपर से काट दिया जाता है जिससे सतह मखमल जैसी सपाट बनती है। [illegible] टेरीकॉटन, फोम का [illegible] सतह [illegible] कालीन रचना को [illegible] मजबूती प्रदान की जाती है।
उदाहरण : [illegible] व [illegible] कालीन।

4. बिना कटे फंदे वाली दरियाँ (UNCUT PILE CARPET)
इन दरियों में फंदे बनाकर बिना काटे छोड़ दिया जाता है जिससे सतह खुरदरी सी प्रतीत होती है। उदाहरण - ब्रुसेल्स, टैपेस्ट्री, [illegible] कालीन।

5. बिना कटे व कटे फंदों के संयोजन से निर्मित दरियों में [illegible] सतह पर फंदे बनाकर डिजाइन अनुसार कुछ फंदों को काट व कुछ फंदों को बिना काटे नमूनों को उभार कर सौन्दर्य वृद्धि की जाती है।